(c) No, Sir.

(d) Does not arise.

Transport Policy for the States without Railway head upto the state Capitals

129. SHRI W. ANGOU SINGH: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether there is any transport policy for the States which have no railway head upto their State Capitals specially backward States including North Eastern Region; and

(b) if so, the details of the policy which are extending benefits to be people?

THE MINISTER OF SURFACE TRANSPORT (SHRI T.G. VENKATRAMAN): (a) and (b) The information is being collected and will be laid on the Table of the Rajya Sabha.

केन्द्रीय सड़क निधि संबंधी प्रतिवेदन

130. **श्री महेश्वर सिंह:** क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार द्वारा केन्द्रीय सड़क निधि के संबंध में दोनों सदनों द्वारा पारित प्रस्ताव के कार्यान्वयन हेतु गठित मंत्रिमंडलीय उप-समिति ने अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत कर दिया है; और

(ख) यदि हां, तो कब तथा उस पर सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की गई है?

जल-भूतल परिवहन मंत्री (श्री टी॰जी॰ वेंकटरामन): (क) संभवतः यह प्रश्न "मंत्रियों के दल" (जी ओ एम) के बारे में है, जिसका मंत्रिमंडल के निर्देशानुसार केन्द्रीय सड़क निधि (सी आर एफ) में बढ़ोत्तरी संबंधी मामले की जांच करने के लिए गठन किया गया था। 24.3.94 को जी ओ एम की बैठक हुई थी लेकिन कोई रिपोर्ट पेश नहीं की गई । तथापि, उसके बाद मंत्रियों के दल को परिसमाप्त कर दिया गया।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर जवाहर सुरंग पर स्थित सड़क का बन्द होना

131. **श्री राघवजी:** क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि जम्मू-कश्मीर राष्ट्रीय राजमार्ग पर जवाहर सुरंग एक ओर से बंद है, यदि हां, तो कब से और इसके क्या कारण हैं;

(ख) यातायात के लिए इस सुरंग को कब तक ठीक कर दिया जाएगा; और

(ग) यातायात के लिए इस सड़क को ठीक करने में होने वाले विलम्ब के क्या-क्या कारण हैं?

जल-भूतल परिवहन मंत्री (श्री टी॰जी॰ वेंकटरामन): (क) जवाहर सुरंग की पश्चिमी सुरंग सुधार कार्यों के लिए दिनांक 24.4.95 से बन्द है। फिलहाल यह कार्य प्रगति पर है।

(ख) इस सुरंग को नवम्बर, 1999 तक यातायात के लिए खोल दिए जाने की संभावना है।

(ग) इस सड़क को यातायात योग्य बनाने में निम्नलिखित समस्याएं पेश आ रही हैं:—

(i) हिमपात और निम्न तापमान के कारण वर्ष में कार्यावधि कम है।

(ii) यह कार्य एक सुनियोजित ढंग से करने की आवश्यकता है क्योंकि अत्यधिक तकनीकी स्वरूप का होने के कारण यह काफी जटिल है।

एक्सप्रेस राजमार्गों का निर्माण

132. **श्री दिलीप सिंह जूदेव:** क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में 1996 तक निर्माण हेतु स्वीकृत एक्सप्रेस राजमार्गों की संख्या कितनी है;

(ख) एक्सप्रैस राजमार्गों के निर्माण के हेतु स्वीकृत प्रावधान क्या-क्या है;

(ग) इन सड़कों के निर्माण के लिए प्रति-किलोमीटर अनुमानित लागत कितनी-कितनी है;

(घ) स्वीकृत राजमार्गों के निर्माण तथा इस संबंध में प्राप्त की गई उपलब्धियों का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) वर्ष 1997 के दौरान राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण के लिए राज्य-वार क्या-क्या लक्ष्य निर्धारित किए